परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्था
Atomic Energy Education Society
सत्र **(2025-26)**
विद्यालय/School: - परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय -5
अणुशक्तिनगर, मुंबई
कार्यपत्रक -
पाठ -7 वर्षा बहार

कक्षा /Class:__सातवीं (7) **विषय /Subject: _**द्वितीय भाषा हिंदी

अंक/Marks: 40

दिया गया पाठ्यक्रम/Portion covered: - पाठ -7 वर्षा बहार

विद्यार्थी का नाम/Name of the student: _____
अनुक्रमांक /Roll No._____ कक्षा/अनुभाग Class /Sec.:_____ दिनांक /Date: _____

बहुविकल्पीय प्रश्न –

1X4=4

(1) इस कविता में वर्षा ऋतु का कौन-सा भाव मुख्य रूप से उभर कर आता है?

क दुःख और निराशा ख आनंद और प्रसन्नता

ग भय और चिंता घ क्रोध और विरोध

उत्तर-

(2) "नभ में छटा अनूठी" और "घनघोर छा रही है' पंक्तियों का उपयोग वर्षा ऋतु के किस दृश्य को व्यक्त करने के लिए किया गया है?

क बादलों के घिरने का दृश्य ख बिजली के गिरने का दृश्य

ग ठंडी हवा के बहने का दृश्य घ आमोद छा जाने का दृश्य

उत्तर-

(3) कविता में वर्षा को 'अनोखी बहार' कहा गया है क्योंकि-

क कवि वर्षा को विशेष ऋतु मानता है।

ख वर्षा में सभी जीव जंतु सक्रिय हो जाते हैं।

ग वर्षा सबके लिए सुख और संतोष लाती है।

घ वर्षा एक अद्भुत अनोखी प्राकृतिक घटना है।
उत्तर-

4 पूरे जगत की शोभा किस पर निर्भर है?

(क) आदमी पर (ख) देवता पर

(ग) वर्षा पर (घ) उपरोक्त सभी पर
उत्तर-

प्रश्न 5. कविता में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ स्तंभ 1 में दी गई हैं, उनके भावार्थ स्तंभ 2 में दिए गए हैं। स्तंभ 1 की पंक्तियों का स्तंभ 2 की उपयुक्त पंक्तियों से मिलान कीजिए-

1X6=6

स्तंभ 1	**स्तंभ 2**
1. पानी बरस रहा है, झरने भी ये बहे हैं	1. वर्षा ऋतु में तालाबों के जीव-जंतु अति प्रसन्न हैं।
2. चलती हवा है ठंडी, हिलती हैं डालियाँ सब	2. वर्षा हो रही है और झरने बह रहे हैं।
3. तालों में जीव जलचर, अति हैं प्रसन्न होते	3. वर्षा आने पर लाखों पपीहे गर्मी से राहत पाते हैं।
4. फिरते लखो पपीहे, हैं ग्रीष्म ताप खोते	4. हंसों की कतारें प्रकृति की सुंदरता और अनुशासन को दर्शाती हैं।
5. खिलता गुलाब कैसा, सौरभ उड़ा रहा है	5. वर्षा में खिले हुए फूल जैसे गुलाब प्रकृति में सुगंध और ताजगी फैला रहे हैं।
6. चलते हैं हंस कहीं पर, बाँधे कतार सुंदर	6. ठंडी हवाओं के कारण पेड़ों की सभी शाखाएँ हिल रही हैं।

प्रश्न =6 लघु उत्तरीय प्रश्न – अंक- 2X5=10

(क) वर्षा के समय आपके क्षेत्र में क्या-क्या परिवर्तन आते हैं?

(ख) बारिश के चलते स्कूल आने-जाने के समय के अनुभव बताइए। किसी रोचक घटना को भी साझा कीजिए।

(ग) वर्षा ऋतु में आपको क्या-क्या करना अच्छा लगता है और क्या-क्या नहीं कर पाते हैं?

(घ) बारिश के मौसम में आपके आस-पड़ोस के पशु-पक्षी अपनी सुरक्षा कैसे करते हैं? उन्हें कौन-कौन सी समस्याएँ होती हैं?

(ङ) अपने समूह के साथ मिलकर वर्षा ऋतु पर आधारित एक कविता की रचना कीजिए। उसमें अपने घर और आस-पड़ोस से जुड़ी हुई बातें सम्मिलित कीजिए।

प्रश्न -7 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न- अंक- 3X4=12

(क) कविता में कौन-कौन गीत गा रहे हैं और क्यों?

(ख) “बिजली चमक रही है, बादल गरज रहे हैं"

"तालों में जीव जलचर, अति हैं प्रसन्न होते"
दी गई दोनों पंक्तियों को ध्यान से पढ़िए। इनमें वर्षा के दो अलग-अलग दृश्य दर्शाए गए हैं। इन दोनों में क्या कोई अंतर है? क्या कोई संबंध है? अपने विचार लिखिए।

(ग) कविता में मुख्य रूप से कौन-सी बात कही गई है? उसे पहचानिए, समझिए और अपने शब्दों में लिखिए।

(घ) “खिलता गुलाब कैसा, सौरभ उड़ा रहा है" इस पंक्ति को पढ़कर एक खिलते हुए गुलाब का सुंदर चित्र मस्तिष्क में बन जाता है। इस पंक्ति का उद्देश्य केवल गुलाब की सुंदरता को बताना है या इसका कोई अन्य अर्थ भी हो सकता है?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न- (अनुमान और कल्पना से) अंक- 4X2=8

(क) “सारे जगत की शोभा, निर्भर है इसके ऊपर" कविता में कहा गया है कि वर्षा पर सारे संसार की शोभा निर्भर है। वर्षा के अभाव में मानव जीवन और पशु-पक्षियों पर क्या-क्या प्रभाव पड़ सकता है?

(ख) “बिजली चमक रही है, बादल गरज रहे हैं" - बिजली चमकना और बादल का गरजना प्राकृतिक घटनाएँ हैं। इन घटनाओं का लोगों के जीवन पर क्या-क्या प्रभाव हो सकता है?

****